



‘आप कष्टा करने आएंगे तो हम क्या बैठकर लाँलीपाप खाते रहेंगे’ - ममता का बांग्लादेशी नेताओं पर कटाक्ष



कालकाता । पश्चिम बंगाल को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कुछ बांग्लादेशी नेताओं के इन भड़काऊ बयानों पर सोमवार को कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की जिनमें कहा गया है कि बांग्लादेश कुछ ही दिनों में बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा कर सकता है। बनर्जी ने इन बयानों को खारिज करते हुए इन्हें ‘बेतुका’ करार दिया और कहा कि “आप बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा करेंगे और हम बैठकर लॉलीपाप खाते रहेंगे? पश्चिम बंगाल विधानसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने किसी का नाम लिए बिना सीमा के इस ओर कुछ फर्जी वीडियो प्रसारित किए जाने की निंदा की तथा एक दल विशेष पर राज्य में तनाव फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया तथा भारत के धार्मिक समुदायों के बोच एकता की आवश्यकता पर बल दिया। बनर्जी ने सीमा पार से आए भड़काऊ बयानों को पूरी तरह से खारिज किया। सीमा पार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता ने कहा था कि बांग्लादेश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर दावा है। सोशल मीडिया पर वायरल एक अन्य वीडियो में बांग्लादेशी सेना के पूर्व सैनिकों को यह कहते सुना जा सकता है कि बांग्लादेश कुछ ही दिनों में पश्चिम बंगाल पर कब्जा कर सकता है। ममता बनर्जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, “आप बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा कर लेंगे और हम लॉलीपाप खाते रहेंगे? ऐसा सोचना भी मत! किसी में हमारी जमीन लेने की हिम्मत नहीं है, इस बारे में सोचना भी मत!” बनर्जी ने हाल ही में बांग्लादेश के कुछ नेताओं द्वारा दिए गए भड़काऊ

यान का मखौल उड़ाते हुए कहा, 'शांत और स्वस्थ रहें तथा मानसिक शांति रखें।' उन्होंने भारत में स्थिति का राजनीतिकरण करने की कोशिश करने वालों को भी आगाह किया तथा कहा कि ऐसे कदमों से परिचम बंगाल और उसके लोगों को नुकसान होगा। बनर्जी ने कहा, "जो लोग इसका राजनीतिकरण करने की सोच रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि इससे हमारे राज्य को भी नुकसान पहुंचेगा, तथा बांग्लादेश में आपके मित्रों, बहनों और भाइयों को भी।" उन्होंने कहा, "एक विशेष राजनीतिक दल आग भड़काने के लिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार है। मैं सभी से ऐसी गलत सूचनाओं से दूर रहने की अपील करती हूँ। हम किसी एक समूह के पक्ष में नहीं हैं, हम यहां सभी को परवाह करते हैं।" बनर्जी ने संयम बरतने का आग्रह करते हुए कहा, "हमें अनावश्यक रूप से ऐसे बयान नहीं देने चाहिए, जिससे यहां के हालात खराब होने की आशंका हो।" मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में अल्यसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर जारी उत्पीड़न की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया तथा भारत के धार्मिक समुदायों के बीच एकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "हम बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हिंसा की निंदा करते हैं। सांप्रदायिक हिंसा हिंदू मुस्लिम, सिख या ईसाई द्वारा नहीं की जाती है; यह समाज पर बोझ बनने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा की जाती है। हम सभी को यह याद रखना चाहिए

और ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जो पश्चिम बंगाल में शांति को नुकसान पहुंचा सकते हैं।' बांगलादेश में हिंदू समुदाय सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह है। पूरे समुदाय को पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उनके खिलाफ लगातार हँसा बढ़ रही है और विरथापित होने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बनर्जी ने मीडिया से बांगलादेश मुद्दे की कवरेज में सावधानी बरतने को कहा, विशेष रूप से फर्जी वीडियो के प्रसार के संबंध में। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "यह उत्तर प्रदेश या राजस्थान नहीं है जहां हम आपको प्रतिबंधित कर देंगे या गिरफ्तार कर लेंगे। लेकिन मैं आपसे जिम्मेदार होने का अनुरोध करती हूँ। कई फर्जी वीडियो प्रसारित हो रहे हैं।" एक राजनीतिक दल आग लगाने की कोशिश कर रहा है। दोनों समुदायों को इस पर नजर रखनी चाहिए।' बनर्जी ने राज्य में संभावित विरोध प्रदर्शनों पर चिंता व्यक्त करते हुए संयम बरतने का आग्रह किया और कहा कि कई अल्पसंख्यक समूह विरोध मार्च निकालना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने उनसे ऐसा न करने को कहा था। मुख्यमंत्री ने आगाह केया कि कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर सकते हैं और इसका उस्तोंमाल सांप्रदायिक दो भड़काने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "हम दंगे नहीं चाहते हैं; हम शांति चाहते हैं। हिंदुओं और मुसलमानों तथा सभी अन्य समुदायों की रांगों में एक ही खून बहता है। हम सभी गौरवान्वित भारतीय हैं।" बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति की भी प्रशंसा की तथा कहा कि राज्य के हिंदू और मुसलमान दोनों ने बांगलादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार की निंदा की है। उन्होंने कहा, "मैं आभारी हूँ कि जहां हिंदू विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं इमामों ने बांगलादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों की निंदा करने के लिए एक प्रेस कॉर्म्फ़ेंस भी की। यह दिखाता है कि धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण पेश करने में पश्चिम बंगाल सबसे आगे है।" बांगलादेशी नागरिकों द्वारा पश्चिम बंगाल में दाखिल होने की कोशिश के मामले पर बनर्जी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, "हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। जिनके पास पैसा है वे विमान या ट्रेन से आ रहे हैं, लेकिन गरीब लोग नहीं आ सकते। हम सीमा के मुद्दे को नहीं देखते। केंद्र को इसे संभालने दीजिए। बीएसएफ हमारी सीमाओं पर नजर रख रही है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी तृणमूल कांग्रेस विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करेगी और बिना बताए कुछ नहीं बोलेगी। उन्होंने कहा, "हमारे विदेश सचिव बातचीत के लिए बांगलादेश में हैं। हमें जरूरत से ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए। हमें नीतीजे का इंतजार करना चाहिए। हम जिम्मेदार नागरिक हैं। हमारा देश एक जुट है।"

दिल्ली के 40 स्कूलों को एक साथ फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, 'आप' ने बोला केंद्र पर हमला



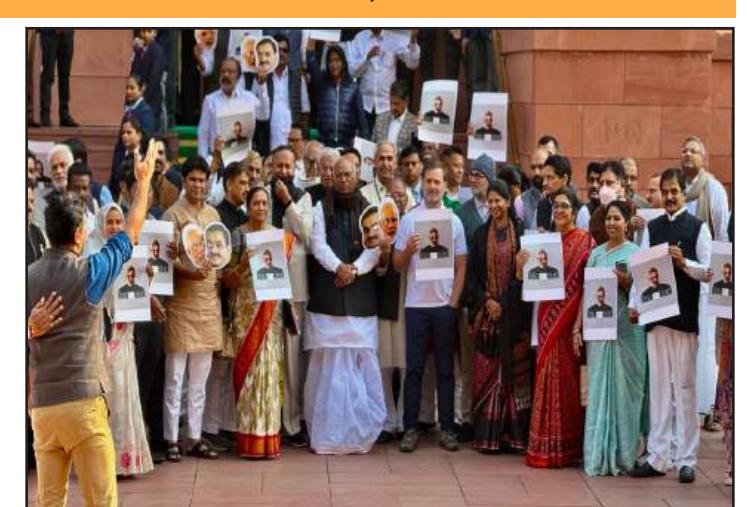
हत्याओं, बम से डॉर्ड ऑर्डर आ शासित इकलौते हुए आम ल ने भी देल्ली में नहीं देखी बाब देना संसोदिया ह धमकी। दिल्ली में लगातार हो रही घटनाओं को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री अतिशी समेत सभी नेता लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। इनका कहना है कि केंद्र सरकार के पास एक ही जिम्मेदारी है वह भी सुरक्षा व्यवस्था की। जिसको लेकर केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय पूरी तरीके से फेल हो चुका है और लगातार दिल्ली में घटनाएं होती जा रही हैं। दिल्ली के स्कूलों में मिली इस धमकी को लेकर अब दिल्ली में राजनीति गमने लगी है। एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी लगातार सुरक्षा व्यवस्था के मामले में केंद्र सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रही थी वही इस बम की घटना से आप को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार को घेरने का एक और मौका मिल गया है।

# मुर्मु मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित करेंगी



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मुकल कल यहां मानवाधिकार दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करेंगी। मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकारों की सर्वव्यापी घोषणा के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकार को अपनाया था और इसकी सर्वव्यापी घोषणा की श्री। यह मानवाधिकारों के संरक्षण की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी, महासचिव भरत लाल, वरिष्ठ अधिकारी, वैधानिक आयोगों के सदस्य, राज्यों के मानवाधिकार आयोग, राजनीतिक, नागरिक समाज और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के बाद 'मानसिक स्वास्थ्य- कक्षा से कार्यस्थल तक तनाव से निपटना' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

**अदाणी मामले को लेकर विपक्ष ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया**



पुराना और खास रिश्ता है।” तृणमूल कंग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी इस विरोध प्रदर्शन से दूर रहीं। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि ‘ईडिया’ गठबंधन बिखर गया है। हालांकि सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव का कहना है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक है। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद कंग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति से आरोपों की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में इस मामले को लेकर उद्योगपति गौतम अदाणी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को आधारहीन बताया है।

हर चीज को वोटबैंक की तराज पर तोलने वाले परेशान- मोदी



A composite image featuring Prime Minister Narendra Modi on the right, wearing a brown Nehru jacket, waving his right hand. In the lower-left foreground, Finance Minister Nirmala Sitharaman is shown clapping her hands. The background is a blue stage with a white banner.

अधिक महिलाओं के खाते खुले हैं। नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वो देश के सामने अवसरों के नए द्वारा खोल देती हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक देश में ऐसे अनेक काम थे जो महिलाओं के लिए वर्जित थे। भाजपा की सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है। उन्होंने कहा, अभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। श्री मोदी ने कहा कुछ वर्ष पहले मुझे, पानीपत से ५० बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में हुआ। अब 10 वर्ष बाद, इसी पानीपत की धरती से बहनों-बेटियों के लिए ५०% बीमा सखी योजना का प्रारंभ हुआ है। हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है, शास्त्रों में 9 अंक को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक नवदुर्गा की नव शक्तियों से जुड़ा है। 9 दिसंबर के दिन ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। आज जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है, 9 दिसंबर की ये तारीख हमें समानता और विकास को सर्वस्पर्शी बनाने की प्रेरणा देती है।

योगी सरकार खोल रही गोरखपुर,  
भदोही में पशु चिकित्सा महाविद्यालय



पानी पीते थे। कुछ दशकों से यह सिलसिला तय हो गया। उत्तर प्रदेश पश्चिम विकास परिषद् ने अपनी स्थापना के शुरुआती दिनों में एक स्टडी की थी। उसके अनुसार उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल अधिकांश पश्चि कुपोषण के शिकार हैं। इससे केवल संबंधित पश्चि की सेहत और उत्पादक प्रभावित हो रही है, बल्कि दुग्ध उत्पादन की प्रभावित हो रहा है। स्टडी में यह भी पता चला कि पशुओं में बढ़ते बांझपन की एक प्रमुख वजह भी कुपोषण है। पर, अब ऐसा नहीं होगा जो गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने वालीए योगी सरकार ने जो अभियान चलाया। उससे पशुओं को चरने की पर्यास जमीन मिलेगी। साथ ही गोरखपुर के ताल नदौर और भदोही में बनने वाले पश्चि चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा नस्ल सुधार के जरिये यहां के पशुओं की सेहत भी सुधारेगी और दूध का उत्पादन भी बढ़ेगा। इससे उत्तर प्रदेश, सटे हुए बिहार और नेपाल के पशुपालकों को भी लाभ होगा, पर पूर्वांचल के पशुपालकों को होगा सर्वाधिक लाभ होगा। फिलहाल दूध के उत्पादन के मामले में उत्तर

प्रदेश देश में नंबर बन है। कुल उत्पादन में यूपी का योगदान करीब 16% है। योगी सरकार के इस कदम से योगीन आने वाले समय में प्रदेश में दूध का उत्पादन और बढ़ेगा। इससे दूध के उत्पादन में यूपी की बादशाहत भविष्य में भी और मुकम्मल तरीके से बढ़करार रहेगी। गोरखपुर और भदोही के दोनों महाविद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा से संबद्ध होंगे। गोरखपुर में महाविद्यालय की स्थापना के लिए गोरखपुर-वाराणसी हाईवे पर स्थित ताल नदीर में 80 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। पहले चरण के निर्माण पर 228 करोड़ रुपये की लागत आएगी। फरवरी 2024 के बजट में इसके लिए योगी सरकार 100 करोड़ रुपए आवंटित भी कर चुकी है। बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ताल नदीर का दौरा कर पशु चिकित्सा महाविद्यालय को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए थे। इस महाविद्यालय में हाईटेक सुविधाएं होंगी, जिनमें हॉस्पिटल ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास जैसी मूलभूत सुविधाएं

शामिल हैं। योगी सरकार की मंशा भविष्य में इसे विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने अपने पहले कार्यकाल में भदोही में जिस पश्चि चिकित्सा महाविद्यालय की घोषणा की थी उस पर भी तेजी से अमल हो रहा है। इस बाबत जोरदार और वेदपुर गांव में 15 एकड़ जमीन भी चिह्नित कर ली गई थी। फरवरी 2024 में प्रदेश के बजट में इसके निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हो चुका है। कॉलेज एवं कॉम्प्लेक्स निर्माण के लेकर मथुरा के वेटरनरी विश्वविद्यालय से कई विशेषज्ञ पूर्व में आकर हरी झंडी दे चुके हैं। भदोही में बनने वाले पश्चि चिकित्सा महाविद्यालय के 10 एकड़ में कालेज का एकेडमिक भवन, प्रयोगशाला और हाँस्टल का निर्माण होगा। पांच एकड़ में ब्लॉक लेबल कोर्ट कॉम्प्लेक्स का निर्माण होना है। उच्च शिक्षण विभाग से भी इसके निर्माण को एनओसी मिल चुकी है। कॉलेज में स्नातक, स्नातकोत्तर और पश्चि चिकित्सा से संबंधित पढाई होंगी। कॉलेज के बनने से पूर्वाचल के दस जिलों के युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।









